Roll No. .....

E–3093

B. A. (Part I) EXAMINATION, 2021

(New Course)

HINDI LITERATURE

Paper First

(प्राचीन हिन्दी काव्य)

Time : Three Hours] [*Maximum Marks : 75*

[*Minimum Pass Marks : 26*

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 21

(क) भगति भजन हरि नाँव है, दूजा दुक्ख अपार।
मनसा बाचा कर्मनां, कबीर सुमिरण सार॥

तूँ तूँ करता तूँ भया, मुझ मैं रही न हूँ।
वारी फेरी बलि गई, जित देखौं तित तूँ॥

अथवा

पूस जाड़ थर-थर तन काँपा। सुरुज जाइ लंका दिसि चाँपा॥
बिरह बाढ़, दारुन भा सीऊ। कँपि कँपि मरौं, लेइ हरि जीऊ॥
कंत कहाँ लागौं ओहि हियरे। पंथ अपार, सूझ नहिं नियरे॥
सौंर सपेती आवैं जुड़ी। जानहु सेज हिवंचल बूड़ी॥
चकई निसि बिछुरै, दिन मिला। हौं दिन राति विरह कोकिला॥

(ख) सखा! सुनो मेरी इक बात।
वह लतागन संग गोपिन सुधि करत पछितात॥
कहाँ वह वृषभानु तनया परम सुन्दर गात।
सुरति आए रासरस की अधिक जिय अकुलात॥
सदाहित यह रहत नाहीं सकल मिथ्या जात।
सुर प्रभु यह सुनौं मोसों एक ही सौं नात॥

अथवा

जस-जस सुरसा बदनु बढ़ावा। तासु दून कपि रूप देखावा॥
सत जोजन तेहिं आनन कीन्हा। अति लघु रूप पवनसुत लीन्हा॥
बदन पइठि पुनि बाहेर आवा। मागा बिदा ताहि सिरू नावा॥
मोहि सुरन्ह जेहि लागि पठावा। बुधि बल मरमु तोर मैं पावा॥

(ग) भोर तें साँझ लौ कानन-ओर निहारति बावरी नेकु न हारति।
साँझ ते भोर लौ तारनि ताकिबो तारनि सों इकतार न टारति।
जो कहूँ भावतो डीठि परै घनआनंद आँसुनि औसर गारति।
मोहन सोहन-जोहन की लगियै रहै आँखिन के उर गारति॥

अथवा

तब तौ छबि पीवत जीवत हे अब सोचन लोचन जात जरे।
हित-पोष के तोष जु प्रान पले बिललात महा दुःख-दोष भरे।
घन आनंद मीत सुजान बिना सबही सुख-साज समाज टरे।
तब हार पहार से लागत हे अब आनि के बीच पहार परे॥

2. कबीर की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 12

अथवा

जायसी के विरह-वर्णन में बारहमासा का चित्रण कीजिए।

3. सूरदास के काव्य-सौष्ठव पर प्रकाश डालिए। 12

अथवा

तुलसीकृत 'रामचरितमानस' के 'सुन्दरकाण्ड' का सार अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

" 'घनानन्द' 'प्रेम की पीर' 'के गायक हैं।" इस कथन की समीक्षा कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : प्रत्येक 5

(i) विद्यापति की काव्यगत विशेषताएँ

(ii) रसखान की भाषा

(iii) रहीम के नीतिपरक दोहे

(iv) सगुण भक्तिकाव्य की विशेषताएँ

(v) निर्गुण भक्तिकाव्य की विशेषताएँ

5. निम्नलिखित में से किन्हीं पन्द्रह वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

प्रत्येक 1

(i) भक्तिकाल की समय-सीमा बताइये।

(ii) 'रामचरितमानस' किस भाषा में लिखी गई है ?

(iii) 'सूरसागर' किसकी रचना है ?

(iv) कबीरदास के गुरु कौन थे ?

(v) 'रामचरितमानस' का कौन-सा 'काण्ड' पाठ्यक्रम में निर्धारित है ?

(vi) द्रुत पाठ में संकलित किसी एक रचनाकार का नाम लिखिए।

(vii) 'आये जोग सिखावन पांडे' किस कवि की पंक्ति है ?

(viii) सूरदास के गुरु का नाम लिखिए।

(ix) रहीम का पूरा नाम क्या है ?

(x) 'प्राचीन हिन्दी काव्य' के संपादक का नाम लिखिए।

(xi) सुजान कौन है ?

(xii) 'पद्मावत' महाकाव्य के प्रमुख दो पात्रों के नाम बताइये।

(xiii) जायसी का पूरा नाम लिखिए।

(xiv) रीतिकाल की समय-सीमा बताइये।

(xv) 'कीर्तिलता' किस कवि की रचना है ?

(xvi) 'खैर खून खाँसी खुशी वैर प्रीति मदपान' किस कवि की पंक्ति है ?

(xvii) 'प्रेमपत्रिका' किसकी रचना है ?

(xviii) किस कृष्णभक्त कवि ने सवैया में अपने पद की रचना की है ?

(xix) रीतिकाल के दो कवियों के नाम लिखिए।

(xx) 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' लिखने वाले एक प्रसिद्ध लेखक का नाम लिखिए।